

एशियाई खेलों में भारतीय महिला क्रिकेट का फिर स्वर्णिम परचम, श्रीलंका को 147 रन से रौंदा

निशिन (जापान), एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशियाई खेलों में लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। कोरोजी एथलेटिक पार्क स्थित कोरोजी क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए एकतरफा फाइनल में भारत ने श्रीलंका को 147 रन से हराकर अपना कॉन्टिनेंटल खिताब बरकरार रखा। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में 216/3 का विशाल स्कोर खड़ा किया, जिसके जवाब में श्रीलंकाई टीम 15.4 ओवर में महज 69 रन पर सिमट गई। एशियन गेम्स 2026 में भारत का यह पहला स्वर्ण है।

मंधाना की तूफानी पारी, श्रवा का विस्फोटक फिनिश

भारत के विशाल स्कोर की नींव उपकप्तान स्मृति मंधाना ने रखी। उन्होंने 45 गेंदों में 79 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें सात छक्के शामिल रहे। शेफाली वर्मा ने भी 48 रन बनाकर भारत को तेज शुरुआत दी। इसके बाद विकेटकीपर बल्लेबाज त्रिशा घोष ने तूफानी अंदाज में पारी को अंजाम तक पहुंचाया। त्रिशा ने सिर्फ 22 गेंदों में नाबाद 49 रन ठोककर भारतीय स्कोर को 216 रन तक पहुंचा दिया। यह एशियाई खेलों के महिला क्रिकेट फाइनल में किसी टीम का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर रहा।

दीप्ति की फिरकी में फंसी श्रीलंका

217 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने पूरी तरह बेबस नजर आई। कोई भी बल्लेबाज बड़ी साझेदारी नहीं बना सका। स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने चार ओवर में महज छह रन देकर तीन विकेट झटके और श्रीलंकाई बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। अन्य गेंदबाजों ने भी लगातार विकेट लेकर श्रीलंका को 69 रन पर समेट दिया। भारत ने 147 रन की विशाल जीत के साथ स्वर्ण पदक अपने



नाम किया।

टीम को पीएम ने दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय महिला टीम को स्वर्णिम सफलता पर बधाई दी है। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से की गई पोस्ट में कहा गया कि इंडियन क्रिकेट के लिए शानदार जीत। एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने पर हमारी महिला क्रिकेट टीम को बहुत-बहुत बधाई। यह खेलों में एक जबरदस्त प्रदर्शन था, जिसमें आत्मविश्वास, स्किल और शानदार टीमवर्क दिखा। इस जीत से भारत को इस संस्करण का पहला स्वर्ण पदक भी मिला है। देश को

गर्व है और यह के अनगिनत युवा क्रिकेटरों को प्रेरित करेगी।

पुरुषों की जापान पर रोमांचक 2 रन की जीत

पुरुषों के एकमात्र टी-20 मुकाबले में भारत ने जापान को आखिरी गेंद तक चले रोमांच में दो रन से हराया। सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर मुकाबला पांच-पांच ओवर का कर दिया गया था। भारत ने 5 ओवर में 32 रन बनाए। जवाब में जापान की टीम 5 ओवर में 3 विकेट पर 30 रन ही बना सकी। भारत की शुरुआत खराब रही। अभिषेक शर्मा बिना खाता खोले आउट हुए, जबकि संजु सैमसन ने 7 गेंदों पर 9 रन बनाए। ईशान किशन 3 रन पर आउट हुए। कप्तान श्रेयस अय्यर ने 12 गेंदों में 16 रन बनाकर टीम को संभाला। तिलक वर्मा एक रन पर नाबाद रहे। जापान के खिलाफ भारतीय गेंदबाजों ने आखिरी ओवर में संयम बनाए रखा। जापान को अंतिम ओवर में जीत के लिए आठ रन चाहिए थे। अक्षर पटेल ने पहली दो गेंदों पर सिर्फ दो रन दिए। तीसरी गेंद वाइड रही, लेकिन इसके बाद उन्होंने लगातार चार गेंदों पर जापानी बल्लेबाजों को बाउंड्री नहीं लगाने दी। जापान 30 रन तक ही पहुंच सका और भारत ने दो रन से मुकाबला जीत लिया।



रिचार्ज में अब डेटा की मजबूरी नहीं— कॉल-एसएमएस के सस्ते पैक देना जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। मोबाइल उपभोक्ताओं के लिए टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (जराफ़) ने मंगलवार को बड़ा फैसला किया है। अब टेलीकॉम कंपनियों को ऐसे उपभोक्ताओं के लिए केवल कॉल और एसएमएस वाले सस्ते रिचार्ज पैक उपलब्ध कराने होंगे, जिन्हें मोबाइल डेटा की जरूरत नहीं है। जराफ़ ने इसके लिए टेलीकॉम कंपन्यूमेंस प्रोटेक्शन (13वां संशोधन) रेगुलेशन, 2026 जारी किया है। नए नियम का मकसद उपभोक्ताओं को अपनी जरूरत के हिसाब से रिचार्ज चुनने की सुविधा देना और डेटा की अनिवार्य बंडलिंग से राहत दिलाना है। नए नियम के मुताबिक, यदि कोई टेलीकॉम कंपनी किसी खास पैकता अवधि के लिए कॉल, एसएमएस और डेटा वाला स्पेशल टैरिफ वाउचर (स्पाइड) उपलब्ध कराती है, तो उसे उसी पैकता अवधि के लिए केवल कॉल और एसएमएस वाला स्पाइड भी उपलब्ध कराना होगा। ऐसे पैक के शुल्क में भी पर्याप्त और लगाने समानुपातिक कमी करनी होगी। इसका सीधा फायदा उन उपभोक्ताओं को होगा, जो इंटरनेट का इस्तेमाल नहीं करते या बहुत कम करते हैं और अभी उन्हें डेटा सहित पैक लेना पड़ता है। नियम का सबसे अहम अंश यह है कि अवधि वाले रिचार्ज पर पड़ेगा। कंपनियों को 30 दिन या उससे कम पैकता वाले अपने डेटा-बंडल पैकों के समान अवधि के कॉल-एसएमएस विकल्प उपलब्ध कराने होंगे। इसके अलावा, गैरने के एक निश्चित टैरिफ को दोबारा शुरू होने वाले मासिक पैक के लिए भी बिना डेटा वाला विकल्प देना होगा। जराफ़ के अनुसार लंबी पैकता वाला कम से कम एक कॉल-एसएमएस आधारित पैक भी उपलब्ध कराया जाना जरूरी रहेगा।

उत्सवों में ध्वनि प्रदूषण पर हाईकोर्ट सख्त

नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई के निर्देश

मुंबई, यश भारत। गणेशोत्सव और अन्य धार्मिक उत्सवों के दौरान ध्वनि प्रदूषण को लेकर मुंबई उच्च न्यायालय ने महाराष्ट्र सरकार को कड़े निर्देश दिए हैं। न्यायमूर्ति गिरीश कुलकर्णी और न्यायमूर्ति डॉ. नीला गोखले की खंडपीठ ने धार्मिक जुलूसों में तेज आवाज में बजने वाले ध्वनि यंत्रों, पटारखों और अन्य माध्यमों से होने वाले प्रदूषण पर सख्त संज्ञान लिया है। न्यायालय ने सरकार से पूछा है कि ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए लागू कानूनों और नियमों का पालन किस तरह कराया जा रहा है तथा उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अब तक क्या कार्रवाई की गई है। न्यायालय ने राज्य के महाधिवक्ता से संबंधित कानूनों



और सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की जानकारी प्रस्तुत करने को कहा है। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने इस बात पर भी सवाल उठाया कि जब सामान्य तौर पर ध्वनि यंत्रों और ध्वनि-विस्तारक यंत्रों के इस्तेमाल की अनुमति रात 10 बजे तक होती है, तो कुछ जुलूसों में आधी रात तक तेज आवाज में संगीत बजाने की अनुमति कैसे दी

जा रही है। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि उत्सव मनाने पर आपत्ति नहीं है, लेकिन निर्धारित ध्वनि सीमा और कानूनों का पालन अनिवार्य है। 2024 के एक फैसले में भी न्यायालय ने बिना लिखित अनुमति ध्वनि-विस्तारक यंत्रों के इस्तेमाल पर रोक सहित कड़े निर्देश दिए थे।

लाभ मिलेगा। मंत्रिमंडल ने खार पश्चिम के रामकृष्णनगर स्थित म्हाडा की पुरानी और जर्जर इमारतों के समूह पुनर्विकास को भी मंजूरी दी है। पुनर्विकास के बाद क्षेत्र में नए आवासीय भवनों के साथ सड़क, जलापूर्ति, जल निकासी और अन्य नागरिक सुविधाओं में सुधार का रास्ता साफ होगा। इसके अलावा राज्य में सूखे की स्थिति से निपटने



के लिए मंत्रिमंडल उपसमिति गठित करने का फैसला लिया गया है। राजस्व मंत्री इस समिति के अध्यक्ष होंगे। सूखा निवारण के लिए आवश्यक निर्णय लेने के अधिकार समिति को दिए गए हैं। सरकार शनिवार तक प्राथमिक अधिसूचना जारी करेगी। मंत्री प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर खेतों का निरीक्षण भी करेंगे, जिससे किसानों तक राहत पहुंचाने की प्रक्रिया तेज हो सके।

बेटियों की सुरक्षा पर फिर सवाल, दिल्ली से जमुई ,ओडिशा तक शर्मनाक घटनाएं किशोरी से गैंगरेप का आरोप, बच्ची को बंधक बनाकर यौन उत्पीड़न, मासूम से हैवानियत का आरोप

नई दिल्ली/जमुई/ढेंकनाल, एजेंसी। देश के अलग-अलग हिस्सों में नाबालिग बच्चियों और महिलाओं के साथ यौन अपराध, बदसलूकी और मारपीट की घटनाओं ने एक बार फिर सुरक्षा व्यवस्था को कठघरे में खड़ा कर दिया है। राजधानी दिल्ली से लेकर बिहार के जमुई और ओडिशा के ढेंकनाल तक सामने आए मामलों में कहीं नाबालिग के साथ दुष्कर्म का आरोप है, तो कहीं युवती के साथ सार्वजनिक रूप से बदसलूकी और युवक से मारपीट का वीडियो सामने आया है। दिल्ली के तीन मामलों में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है, जबकि जमुई और ओडिशा की घटनाओं की जांच जारी है।

दिल्ली के कालकाजी मंदिर के पीछे सोमवार शाम 17 वर्षीय किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया। पुलिस के अनुसार किशोरी अपने नाबालिग मित्र के सात मंदिर में दर्शन के लिए आई थीं। दोनों मंदिर के पीछे की ओर गए थे। आरोप है कि



शाम करीब 7.30 बजे तीन युवक वहां पहुंचे और खुद को पुलिसकर्मी बताकर दोनों को धमकाया। इसके बाद तीनों युवकों ने किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच की जा रही है। सदर बाजार इलाके में 16 सितंबर की रात 11 वर्षीय छठी कक्षा की छात्रा के यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया। पुलिस ने 56 वर्षीय दर्जी मकसूद को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उसने छात्रा को बहला-फुसलाकर दुकान में

बुलाया और उसके हाथ-पैर बांधकर उसे बंधक बना लिया। पीड़िता की शिकायत पर दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट और बंधक बनाने से संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। आरोपी को अदालत में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। किशनगंज इलाके में छह वर्षीय बच्ची के कथित यौन शोषण का मामला भी सामने आया है। स्थानीय लोगों ने 34 वर्षीय अफिकत को पकड़कर पुलिस के हवाले किया। घटना की जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में लोग सिद्धीपुरा पुलिस चौकी मांग की। आरोपी को खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है।

जमुई में नाबालिग से बदसलूकी और जबरन ले जाने का आरोप

बिहार के जमुई में 19 सितंबर की शाम नगरसेवक पद से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने मंगलवार को सुनवाई के दौरान निर्देश दिया कि राउत को संबंधित नगरसेवक सीट फिलहाल नहीं भरी जाए।

विशाखा राउत को सुप्रीम कोर्ट से राहत नगरसेवक की सीट फिलहाल खाली रखने का आदेश

मुंबई, यश भारत। ठाकरे गुट की नगरसेवक और मुंबई की पूर्व महापौर विशाखा राउत को जाति प्रमाणपत्र और नगरसेवक पद से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने मंगलवार को सुनवाई के दौरान निर्देश दिया कि राउत को संबंधित नगरसेवक सीट फिलहाल नहीं भरी जाए। विशाखा राउत का अन्य पिछड़ा वर्ग का जाति प्रमाणपत्र पालघर जिला जाति प्रमाणपत्र जांच समिति ने अवैध घोषित किया था। इसके बाद उनका नगरसेवक पद भी रह कर दिया गया। राज्य सरकार की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, उन्हें छह वर्ष तक चुनाव लड़ने से भी अयोग्य ठहराया गया था। इस फैसले के खिलाफ राउत ने पहले मुंबई हाईकोर्ट का रुख किया था। हाईकोर्ट से राहत नहीं मिलने के बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंग ने हाईकोर्ट के फैसले और चुनाव याचिका पर चल रही कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग की। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में नोटिस जारी करते हुए फिलहाल उनकी नगरसेवक सीट खाली रखने का निर्देश दिया है।



की एक सीट पर चुनाव का एलान

नई दिल्ली , एजेंसी। निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल की कुल 12 राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। इन सभी सीटों पर 16 अक्तूबर को मतदान कराया जाएगा और उसी दिन मतगणना भी होगी। आयोग के अनुसार, इसमें उत्तर प्रदेश की 10 और उत्तराखंड की एक सीट पर होने वाले नियमित चुनाव शामिल हैं, जहां मौजूदा सदस्यों का कार्यकाल 25 नवंबर को समाप्त हो रहा है। इसके साथ ही पश्चिम बंगाल की एक खाली सीट के लिए उपचुनाव भी कराया जाएगा। चुनाव के लिए अधिसूचना 29 सितंबर को जारी की जाएगी और उम्मीदवार 6 अक्तूबर तक अपना नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे।

72वां राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह अनंत नाग को दादासाहेब फाल्के सम्मान कार्तिक-ममूटी को संयुक्त सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार



एकता नगर , एजेंसी। गुजरात के एकता नगर में मंगलवार को 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह का भव्य आयोजन हुआ। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वर्ष 2024 में भारतीय सिनेमा में उत्कृष्ट योगदान के लिए कलाकारों और फिल्मकारों को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए। समारोह में दिग्गज अभिनेता अनंत नाग को वर्ष 2024 का दादासाहेब फाल्के पुरस्कार प्रदान किया गया। पांच दशक से अधिक लंबे उनके सिनेमाई सफर और भारतीय, विशेषकर कन्नड़ सिनेमा में योगदान के सम्मान में उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान दिया गया।

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में इस बार फिल्म 'आर्टिकल 370' का खास दबदबा रहा। इसे सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार मिला। फिल्म 'भक्षक' के लिए संजय मिश्रा को सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला।

'चंद्र चैंपियन' के लिए कार्तिक आर्यन और 'ब्रह्मयुगम' के लिए ममूटी को संयुक्त रूप से सर्वश्रेष्ठ अभिनेता चुना गया। तमिल सिनेमा के अभिनेता और निर्देशक धनुष की फिल्म 'रायन' को सर्वश्रेष्ठ तमिल फिल्म का पुरस्कार मिला। वहीं 'कैप्टन मिलर' को राष्ट्रीय, सामाजिक और पर्यावरणीय मूव्यों को बढ़ावा देने वाली सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म की श्रेणी में सम्मानित किया गया। आधिकारिक विजेता सूची के अनुसार 'अमरन' के निर्देशक राजकुमार पेरियासामी को सर्वश्रेष्ठ निर्देशन का पुरस्कार मिला। 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' के साथ निर्देशन में कदम रखने वाले रणदीप हुड्डा को सर्वश्रेष्ठ नवोदित निर्देशक का पुरस्कार दिया गया। फिल्म 'भक्षक' के लिए संजय मिश्रा को सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला।

अपनी आईडी का सिम किसी और को दिया तो फंस सकते हैं कानून के शिकंजे में

50 लाख तक जुर्माना, 3 साल की जेल का प्रावधान; दूरसंचार विभाग ने नागरिकों को किया सतर्क



नई दिल्ली, एजेंसी। अपने नाम और दस्तावेजों पर जारी मोबाइल सिम किसी दूसरे व्यक्ति को इस्तेमाल करने के लिए देना, बेचना या किराये पर देना अब भारी पड़ सकता है। दूरसंचार विभाग ने नागरिकों को आगाह किया है कि फर्जी पहचान के आधार पर सिम हासिल करने, उसकी खरीद-फरोख्त करने या मोबाइल के आईएमईआई नंबर से छेड़छाड़ जैसे मामलों में तीन साल तक की जेल और 50 लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। विभाग ने लोगों से अपने नाम पर जारी मोबाइल कनेक्शनों की नियमित जांच करने की भी अपील की है। दूरसंचार विभाग की हालिया एडवाइजरी में सिम कार्ड के दुरुपयोग को लेकर विशेष सावधानी बरतने को कहा गया है। किसी व्यक्ति की पहचान या दस्तावेज का इस्तेमाल उसकी जानकारी के बिना मोबाइल कनेक्शन जारी कराने के लिए किया जाता है तो इसका इस्तेमाल साइबर अपराध, ठगी और अन्य आपराधिक गतिविधियों में हो सकता है। ऐसे मामलों में संबंधित नंबरों को बंद करने के साथ दोषी एजेंटों और अन्य जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है।

आपकी आईडी पर सिम तो जिम्मेदारी भी आपकी सरका ने चेतावनी है कि अपने नाम पर जारी सिम को किसी अन्य व्यक्ति को सौंपना जोखिम भरा है। यदि उस नंबर का इस्तेमाल साइबर ठगी या किसी अन्य अपराध में होता है तो जांच का पहला सिरा उस व्यक्ति तक पहुंच सकता है जिसके दस्तावेज पर मोबाइल

कनेक्शन जारी हुआ है। ऐसे कनेक्शनों को अनुरोधित तौर पर 'रखलु सिम' के रूप में संदर्भित किया जाता है। इसलिए किसी परिचित, रिश्तेदार या अन्य व्यक्ति को अपने नाम का सिम इस्तेमाल करने के लिए देना कानूनी और सुरक्षा संबंधी पेशानी खड़ी कर सकता है। खलीलगाह ने सामने आए एक मामले में इस खतरा को उजागर किया है। यहां एक एजेंट ने लोगों के दस्तावेजों का कथित तौर पर दुरुपयोग कर उनकी जानकारी के बिना 25 फर्जी सिम कनेक्शन सक्रिय कर दिए। मामला सामने आने के बाद संबंधित नंबरों को बंद किया गया और एजेंट को ब्लॉकलिस्ट किया गया। दूरसंचार विभाग ने कॉलिंग आईडी में हैरफेर कर फर्जी नंबर प्रदर्शित करने और तकनीकी या एप के जरिए पहचान छिपाकर कॉल करने को लेकर भी चेतावनी दी है। ऐसे तरीकों का इस्तेमाल साइबर अपराधी लोगों को भरोसे में लेने और ठगी करने के लिए कर सकते हैं। सरकार ने इसे दूरसंचार सुरक्षा के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा गंभीर विषय माना है।

एक व्यक्ति के नाम पर 9 कनेक्शन की सीमा

देश में सामान्य तौर पर एक व्यक्ति के नाम पर अधिकतम 9 मोबाइल कनेक्शन रखने की सीमा है। जम्मू-कश्मीर, असम और पूर्वोत्तर राज्यों में यह सीमा 6 कनेक्शन है। निर्धारित सीमा से अधिक मोबाइल नंबर रखने वाले की पहचान के लिए सरकार ने डिजिटल इडेंटिफिकेशन प्लेटफॉर्म पर फोटो दिखाई देने वाला नाम फॉरवर्ड भी जोड़ा है। दूरसंचार कानूनों को इस प्लेटफॉर्म से अपने डिस्टेंट को जोड़ने के लिए 30 नवंबर तक का समय दिया गया है। निर्माण ने नागरिकों से कहा है कि वे 'संचार साक्षी' पॉर्टल या एप पर जाकर अपने नाम और दस्तावेज पर सक्रिय मोबाइल नंबरों की जांच करें। यदि कोई ऐसा नंबर दिखाई देता है जिसे उन्होंने जारी नहीं कराया है या जिसका इस्तेमाल वे नहीं कर रहे हैं, तो उसकी तत्काल शिकायत कर उसे बंद कराने की प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए।

गणेशोत्सव में फूलों पर बरसा धन

पुणे में 3.68 करोड़ का कारोबार

मुंबई के दादर बाजार में भी बढ़ी मांग

मुंबई, यश भारत। गणेशोत्सव के कारण मुंबई और पुणे के फूल बाजारों में कारोबार में जबरदस्त तेजी देखने को मिली है। पुणे के मार्केट याई स्थित फूल बाजार में गणेश प्रतिमा स्थापना से गौरी आगमन तक पांच दिनों में करीब 3 करोड़ 68 लाख रुपये का कारोबार हुआ। इस दौरान करीब 2 लाख 60 हजार किलो गेंदे के फूल बाजार में पहुंचे। इसके अलावा सफेद और पीली शेवती, गुलछड़ी तथा गुलाब की भी बड़ी मात्रा में आवक हुई।

मुंबई के दादर फूल बाजार में भी गणेशोत्सव के चलते फूलों की मांग और आवक में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। सामान्य दिनों में जहां प्रतिदिन 30 से 40 टेंपो फूल आते हैं, वहीं गणेशोत्सव के दौरान यह संख्या बढ़कर 80 से 100 टेंपो प्रतिदिन पहुंच गई। व्यापारियों के अनुसार, फूलों के भाव में औसतन 20 प्रतिशत तक वृद्धि हुई। मुंबई के बाजार में पुणे, सातारा, नाशिक, सांगली और कोल्हापुर सहित विभिन्न क्षेत्रों से फूल पहुंच रहे हैं। पुणे के फूल बाजार से मुंबई, कोकण और गोवा के विक्रेता भी बड़ी मात्रा में फूल खरीद रहे हैं। इससे दोनों शहरों के फूल कारोबार के बीच मजबूत आपूर्ति संबंध सामने आया है।



जे.जे. अस्पताल में चेहरा और हाथ प्रत्यारोपण की तैयारी

अनुमति मिलते ही महाराष्ट्र का पहला सरकारी केंद्र बनने की राह

मुंबई, यश भारत। सड़क हादसे, आग, तेजाब हमले, जानवरों के हमले या गंभीर चोटों में चेहरा अथवा हाथ गंवाने वाले मरीजों के लिए जे.जे. अस्पताल में जल्द चेहरा और हाथ प्रत्यारोपण की सुविधा शुरू हो सकती है। अस्पताल के प्लास्टिक सर्जरी विभाग ने अनुमति के लिए प्रस्ताव भेजा है। स्वास्थ्य सेवा संचालनालय की टीम अस्पताल का निरीक्षण भी कर चुकी है।

विभागाध्यक्ष डॉ. चंद्रकांत धरवाड़े के अनुसार, इसका उद्देश्य गंभीर चोटों से चेहरा या हाथ गंवाने वाले मरीजों को सामान्य जीवन जीने में मदद करना है। अनुमति मिलने पर जे.जे. अस्पताल महाराष्ट्र का पहला सरकारी अस्पताल बन सकता है, जहां यह सुविधा उपलब्ध होगी। इससे पहले मुंबई मनपा के केईएम अस्पताल को हाथ और चेहरा प्रत्यारोपण की अनुमति मिल चुकी है।

आग, तेजाब हमले, जानवरों के हमले, गोली या बड़े हादसे से चेहरे की संरचना बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने वाले चुनिंदा मरीजों में प्रत्यारोपण पर विचार किया जा सकता है। सामान्य प्लास्टिक सर्जरी से स्वरूप और कार्य बहाल नहीं होने पर ही मरीजों को पात्र माना जाएगा।

चेहरा प्रत्यारोपण से खाने, बोलने और चेहरे की गतिविधियों में सुधार हो सकता है, जबकि हाथ प्रत्यारोपण से दैनिक कार्यों की क्षमता लौटाने में मदद मिल सकती है।



22 करोड़ के जुर्माने के बाद भी नहीं थमी लापरवाही

दस दिन में तीन बड़े हादसों से सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

मुंबई, यश भारत। मुंबई और महानगर क्षेत्र में मेट्रो निर्माण कार्यों के दौरान लगातार हो रहे हादसों ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। रविवार को काशिमीरा में मेट्रो-9 के निर्माणाधीन ढांचे से सीमेंट का बड़ा टुकड़ा गिरने से 23 वर्षीय शादाब गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके सिर में गंभीर चोट आई है और उपचार जारी है। घटना के बाद अस्पताल पहुंचाने में देरी की बात भी सामने आई है।

इससे पहले 12 सितंबर को वडाला के भक्ति पार्क में मेट्रो-4 की साइट पर लोहे का स्टेजिंग ढांचा गिरने से दो मजदूरों की मौत हुई थी। जांच के बाद एमएमआरडीए ने संबंधित ठेकेदार पर पांच करोड़ और सामान्य सलाहकार पर एक करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया।

18 सितंबर को विक्रोली पश्चिम में मेट्रो-4 की निर्माणाधीन साइट को लोहे की बैरिकेडिंग दोपहिया वाहन पर गिर गई, जिससे 54 वर्षीय वसी हैदर



बांग्लादेशी नागरिकों का निर्वासन तेज

आठ महीने में 1,066 लोगों को भेजा वापस

मुंबई, यश भारत। मुंबई पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, जनवरी से अगस्त 2026 के बीच मुंबई से 1,066 बांग्लादेशी नागरिकों को भारत से बाहर भेजा गया। यह संख्या पूरे 2025 में निर्वासित किए गए 1,061 लोगों के आंकड़े से अधिक है।

पुलिस के अनुसार, भारत में अवैध प्रवेश करने या बिना वैध दस्तावेजों के प्रवेश करने और बिना वैध दस्तावेजों के रहने वाले विदेशी नागरिकों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

सितंबर में हुई कार्रवाई के आंकड़े जुड़ने के बाद निर्वासित लोगों की संख्या और बढ़ सकती है। मुंबई में पुलिस और संबंधित एजेंसियां विदेशी नागरिकों के दस्तावेजों की लगातार जांच कर रही हैं।



मोबाइल की टॉच जलाकर करना पड़ा अंतिम संस्कार

जोगेश्वरी श्मशानभूमि में मुख्य शोड की बिजली गुल

मुंबई, यश भारत। मुंबई मनपा की ओर से करोड़ों रुपए खर्च किए जाने के बावजूद जोगेश्वरी पूर्व के प्रतापनगर स्थित कै. राजेश्वर वामन रागिनवार हिंदू श्मशानभूमि में नागरिक सुविधाओं की स्थिति बदहाल है। रविवार रात करीब साढ़े दस बजे बिजली गुल होने के कारण परिजनों को मोबाइल फोन की टॉच और बैटरी की रोशनी में अंतिम संस्कार करना पड़ा।

जानकारी के अनुसार, प्रतापनगर निवासी एक वरिष्ठ नागरिक का बीमारी के बाद निधन हो गया था। परिजन शव लेकर श्मशानभूमि पहुंचे, लेकिन मुख्य शोड में पिछले कई दिनों से बिजली आपूर्ति बंद थी। प्रशासन ने वैकल्पिक प्रकाश की भी व्यवस्था नहीं की थी। अंधेरे में लोगों को अंतिम संस्कार की रस्में पूरी करने में परेशानी हुई।

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि मुख्य शोड में दो दिनों से बिजली नहीं थी, जबकि कर्मचारियों के कबिन में बिजली और ऐसी निर्बाध रूप से चल रहे थे। इससे लोगों में नाराजगी है। नागरिकों ने मनपा प्रशासन से तत्काल विद्युत व्यवस्था बहाल करने और भविष्य में ऐसी स्थिति रोकने के लिए स्थायी वैकल्पिक प्रकाश व्यवस्था करने की मांग की है।



14 फुट की झोपड़ियों पर कार्रवाई का भाजपा ने भी किया विरोध

आयुक्त से अभियान रोकने की मांग की

मुंबई, यश भारत। मुंबई की झोपड़पट्टियों में 14 फुट या उससे अधिक ऊंचाई वाले अनधिकृत निर्माणों पर प्रस्तावित कार्रवाई को लेकर राजनीतिक विरोध बढ़ गया है। सपा और कांग्रेस के बाद अब मनपा में सत्तारूढ़ भाजपा ने भी अभियान पर आपत्ति जताई है। सभागृह नेता गणेश खणकर ने मनपा आयुक्त अश्विनी भिडे को पत्र लिखकर कार्रवाई तत्काल रोकने की मांग की है।

मनपा 1 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2026 तक विशेष अभियान चलाने जा रही है। इसके तहत 14 फुट या उससे अधिक ऊंचाई वाली अनधिकृत झोपड़ियों पर कार्रवाई प्रस्तावित है। मनपा के अनुसार मुंबई में 2 लाख 23 हजार 150 झोपड़ियां हैं, जिनमें 39 हजार 111 की ऊंचाई 14 फुट या उससे अधिक है। इनमें पूर्व उपनगरों में 31,227, पश्चिमी उपनगरों में 4,536 और शहर क्षेत्र में 3,348 झोपड़ियां हैं। खणकर ने कहा कि बड़ी आबादी झोपड़पट्टियों में रहती है और एसआरए, क्लस्टर विकास जैसी पुनर्विकास योजनाएं चल रही हैं। ऐसे में कार्रवाई से पहले पुनर्वास और प्रभावित परिवारों के हितों पर विचार किया जाना चाहिए। भाजपा के रुख से यह मुद्दा मनपा में और महत्वपूर्ण हो गया है।

नौकरियों के आवेदनों में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ी

मुंबई, यश भारत। नौकरियों के लिए आवेदन करने वालों में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़कर 43.5 प्रतिशत हो गई है। हालांकि, इसके बावजूद केवल 13 प्रतिशत नौकरी विज्ञापनों में ही स्पष्ट रूप से महिलाओं को केंद्र में रखा गया है। यह जानकारी सोमवार को जारी एक रोजगार रिपोर्ट में सामने आई। फ्रंटलाइन नौकरियों से आशय उन पदों से है, जिनमें कर्मचारी सीधे ग्राहकों, नागरिकों या रोजमर्रा के कारोबारी कामकाज से जुड़े होते हैं। ऑनलाइन भर्ती मंच वर्कईंडिया की ओर से जारी रोजगार रिपोर्ट के अनुसार, उसके मंच पर महिला आवेदकों की हिस्सेदारी एक वर्ष पहले के 40.4 प्रतिशत से बढ़कर 43.5 प्रतिशत हो गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अप्रैल से जून 2026 के दौरान 772 शहरों में फ्रंटलाइन नौकरियों की 50 से अधिक श्रेणियों में प्रकाशित नौकरी के विज्ञापनों और 6.5 लाख से अधिक आवेदनों के विश्लेषण के आधार पर यह आंकड़ा सामने आया है। रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट हुआ है कि महिलाओं की ओर से नौकरियों के लिए आवेदन करने की रुचि बढ़ रही है, लेकिन भर्ती विज्ञापनों में महिलाओं को लक्षित करने का प्रयास अपेक्षाकृत कम है। केवल 13 प्रतिशत नौकरी विज्ञापनों में महिलाओं को स्पष्ट रूप से प्राथमिकता या केंद्र में रखा गया है।



भोपाल के कलाकार ने कैनवास पर उकेरी पांच दिग्गजों की जीवन-यात्रा

मुंबई, यश भारत। जहांगीर आर्ट गैलरी में भोपाल के कलाकार विवेक कुमार वर्मा 'अनजान' की प्रदर्शनी 'अनजान्स वर्ल्ड फ्रेंम्स-2' कला प्रेमियों के आकर्षण का केंद्र बनी रही। प्रदर्शनी में 'चित्रित जीवन-कथा' अवधारणा के तहत पांच चर्चित हस्तियों की जीवन-यात्रा कैनवास पर उकेरी गई थी।

प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अभिनेता सोनू सूद, एलन मस्क, सुधा मूर्ति और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की जीवन-कथाओं को चित्रों के जरिए प्रस्तुत किया गया है। वर्मा ने चेहरे के बजाय संघर्ष, निर्णय, रिश्तों, उपलब्धियों और महत्वपूर्ण पड़ावों को दृश्य संरचना में समेटा है।

वर्मा के अनुसार, व्यक्ति की पहचान उसके कर्म और जीवन-यात्रा से होती है। उन्होंने बताया कि अवसाद के दौर में विभिन्न हस्तियों की जीवन-कथाओं से प्रेरित होकर उन्होंने यह श्रृंखला शुरू की। वे इसे भावी पीढ़ियों के लिए एक 'दृश्य समय-पेटिका' मानते हैं।



गणेश मंडलों में पहुंचे पूर्व विधायक ठाकुर

वसई-विरार, यशभारत। गणेशोत्सव के अवसर पर पूर्व विधायक क्षितिज ठाकुर ने नालासोपारा पूर्व और पश्चिम सहित वसई-विरार के विभिन्न गणेश मंडलों का दौरा किया। उन्होंने गणपति बाप्पा के दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

बताया गया कि विधायक रहने के दौरान भी ठाकुर गणेशोत्सव के मौके पर विभिन्न मंडलों में पहुंचकर दर्शन करते रहे हैं। इस वर्ष भी उन्होंने यह परंपरा जारी रखी। दौरे के दौरान मंडलों में भक्तिमय माहौल रहा। श्रद्धालुओं ने उसाह के साथ गणपति बप्पा के दर्शन किए। इस अवसर पर वसई-



डॉ. दिनेश रामनरेश सिंह को दो प्रतिष्ठित सम्मान

मुंबई, यश भारत। साहित्य एवं सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ. दिनेश रामनरेश सिंह को वर्ष 2026 के दो प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा गया। नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र में आयोजित समारोह में उन्हें 'भारतीय पद्म भूषण अवार्ड' और 'साहित्य सेवा रत्न सम्मान' प्रदान किया गया।

हिंदी सिनेमा अभिनेता पृथ्वी वज्जीर के हाथों डॉ. सिंह को दोनों सम्मान दिए गए। आयोजकों के अनुसार, साहित्य में सक्रियता और सामाजिक कार्यों में योगदान के लिए उनका चयन किया गया। सम्मान प्राप्त करने के बाद डॉ.



महंगाई की मार, प्याज 60 रुपए प्रति किलो

पुराने लाल प्याज का स्टॉक घटने से आवक कम

जय सिंह, यश भारत। महंगाई से परेशान आम लोगों की मुश्किलें प्याज ने भी बढ़ा दी हैं। पुराने लाल प्याज का स्टॉक घटने और मुंबई में आवक कम होने से खुदरा बाजार में प्याज का भाव करीब 60 रुपए किलो तक पहुंच गया है। व्यापारियों के अनुसार पुराना स्टॉक खत्म होने में करीब डेढ़ महीने का समय लग सकता है। दिवाली के आसपास नवंबर के पहले सप्ताह में नए प्याज की आवक शुरू होने की उम्मीद है।

मुंबई के दादर और भायखला के बाजारों में लासलगांव, मंकर, फलटण, लोणंद और नवी मुंबई से प्याज पहुंचता



है। फिलहाल गोला प्याज का 50 किलो का बोरा करीब 15 हजार रुपए में बिक रहा है।

व्यापारियों के अनुसार एक लाख रुपए के प्याज की खरीद पर करीब 6,500 रुपए दलाली, 1,500 रुपए बाजार समिति शुल्क और 1,000 रुपए परिवहन खर्च जुड़ जाता है। इससे खुदरा कीमत बढ़ रही है।

थोक बाजार में टनक प्याज 35, साधारण प्याज 40-45, गोला प्याज 50-55 और सफेद प्याज 60 रुपए किलो तक है। बड़ी कीमतों से ग्राहकों ने खरीद कम कर दी है।



बच्चों को नाखून चबाने की आदत से बचाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। बच्चों को कई बार नाखून चबाने की आदत पड़ जाती है जो उनके स्वास्थ्य के लिए भी नुकसानदेह होती है। बचपन में इसपर अभिभावक ध्यान नहीं देते पर ये स्वास्थ्य अलावा कई प्रकार के नुकसान का कारण बन सकती है। बच्चों के लिए यह आदत न केवल शारीरिक रूप से बल्कि मानसिक रूप से भी हानिकारक हो सकती है। इससे होने वाले नुकसान इस प्रकार हैं ।

दांतों और मसूड़े होते हैं खराब

नाखून चबाने से बच्चों के दांतों और मसूड़ों पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। इस आदत से दांतों की संरचना बिगड़ सकती है, जिससे दांतों में असंतुलन, दांतों का टेढ़ा होना या मसूड़ों में सूजन जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इससे बच्चों को दांतों की समस्याएँ बढ़ सकती हैं।

संक्रमण का खतरा

नाखून चबाने से बच्चों के हाथों से बैक्टीरिया मुंह में जा सकते हैं। यदि बच्चे अपनी उंगलियों को मुंह में डालते हैं और नाखून चबाते हैं, तो यह बैक्टीरिया उनके शरीर में प्रवेश कर सकते हैं और विभिन्न प्रकार के संक्रमण का कारण बन सकते हैं। इससे गले में इंफेक्शन, मौखिक रोग, या पेट में समस्याएँ हो सकती हैं। खासकर अगर बच्चा गंदे हाथों से नाखून चबाता है तो यह और भी खतरनाक हो सकता है।

पाचन तंत्र पर प्रभाव

नाखून चबाने से कुछ बच्चे नाखूनों को निगलने की भी आदत डाल सकते हैं। यदि यह नाखून अंदर पेट में चले जाते हैं, तो यह पाचन तंत्र में अड़चन पैदा कर सकते हैं। इससे पेट की समस्याएँ, जैसे गैस, कब्ज, या आंतों की समस्याएँ हो सकती हैं।

मानसिक तनाव और चिंता

नाखून चबाना कभी-कभी मानसिक तनाव या चिंता का संकेत भी हो सकता है। कई बार बच्चे तब नाखून चबाते हैं जब वे किसी समस्या या चिंता से जूझ रहे होते हैं। यदि यह आदत लगातार बनी रहती है, तो यह मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं का संकेत हो सकता है। ऐसे में बच्चे को मानसिक शांति और समर्थन की आवश्यकता होती है, ताकि वह इस आदत से छुटकारा पा सके।

कैसे छुड़ाएं आदत

1 बच्चों को नाखून चबाने से रोकने के लिए सबसे पहले माता-पिता को सकारात्मक वातावरण और ध्‍यार देना चाहिए। बच्चों को समझाना और शांतिपूर्वक बताना कि यह आदत कितनी हानिकारक हो सकती है, उनके लिए सहायक हो सकता है।

खेल से होता है बच्चों का संपूर्ण विकास

नई दिल्ली, एजेंसी। पढ़ाई के साथ ही खेल भी जीवन के लिए जरूरी है। इसके बिना बच्चे का संपूर्ण विकास नहीं हो सकता। अगर आप चाहते हैं कि आपके बच्चे का विकास स्वस्थ तरीके से हो तो उसके लिए बच्चों के खेल खेलना बहुत ही जरूरी है। अगर आपके बच्चे किसी तरह का खेल नहीं खेलेंगे तो बच्चो के शरीर की विकास अच्छी तरह से नहीं होगा न ही वह सक्रिय रहेगे। ऐसे में बच्चो को मोटापा भी नही आता। एक पालक होने के नाते आपको यह जानना आवश्यक है कि बच्चों के जीवन में खेल के क्या फायदे हैं। अगर आप बच्चों को उनके बचपन में खेलने से रोक रहे हैं तो वास्तव में आप उनका बचपन उनसे छीन रहे हैं। आजकल बहुत से स्कूलों में तो बच्चो के लिए खेलने के मैदान ही नहीं होते। ऐसे में आपको चाहिए कि अपने बच्चे को स्कूल के बाद खेलने के लिए भेजो। इस तरह से आप अधिक अच्छे पालक बन सकते हैं।

खेलों के जरिये सीखते हैं सामाजिकता

जब आपका बच्चा खेलों में भाग लेता है तो उनमें सामाजिक कौशल का बहुत अच्छा विकास होता है। खेलों के दौरान आपका बच्चा अन्य बच्चों से मिलता है और उनसे बातचीत करता है। यह उसके समाजिक कौशल के विकास में सहायक होता है।

मिल जुलकर काम करना

टीम वर्क में आपका बच्चा सीखता है कि किस प्रकार टीम की विजय में योगदान दिया जा सकता है।



होता है मानसिक विकास

जब बच्चें किसी भी तरह का कोई खेल खेलते है तो उनके शरीरिक गतिविधि तो होती ही है। साथ में उनके सिर के अंदर का जो अंग है। उसका विकास होता भी है जो आपके बच्चे को जल्दी सीखने और बढ़ने में सहायक होता है।

खेलों से शारीरिक विकास

खेल या अन्य शारीरिक गतिविधियों से मांसपेशियों का विकास होता है। स्वस्थ हड्डियों और मांसपेशियों के अच्छे विकास के लिए आपको बच्चे को किसी भी तरह का खेल खलने के लिए उत्साहित करना चाहिए। जब आपका बच्चा खेलों में भाग लेता है तो आपके बच्चे की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। इसके

अलावा बच्चे को खुली हवा में छोड़ना अच्छा होता है ताकि उसे अपने आसपास के माहौल का भी पता लगेगा। बच्चो को बताना चाहिए कि जीतना और हारना जीवन का हिस्सा है तथा आपका बच्चा इसे खेल की उन गतिविधियों के माध्यम से सीखता है जिसमें वह हिस्सा लेता है। खेल की गतिविधियों से शारीरिक सहनशीलता बढ़ती है, क्योंकि प्रत्येक गेम आखिरी तक खेला जाता है जिससे आपका बच्चा सीखता है कि अधिक समय तक गमी में कैसे रहा जाता है। खेल खिलाड़ी की सहनशीलता के लिए चुनौती के समान होता है।अगर आपका बच्चा इस प्रकार के खेलों में सहभागी हो ताकि उसकी सहनशीलता बढ़ सके। शारीरिक गतिविधियों में ताकत ही सब कुछ होती है।

स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा को लेकर रहें सतर्क

नई दिल्ली, एजेंसी। आजकल स्कूल में भी बच्चों के साथ होने वाले हादसे और घटनाएं मन में कई सवाल पैदा करती हैं। इससे स्कूल की सुरक्षा व्यवस्था पर भी कई सवाल उठते हैं। इन घटनाओं को देखकर अभिभावकों और बच्चों के मन में डर पैदा होने लगा है। बच्चे अब स्कूलों में भी सुरक्षित नहीं हैं। स्कूल में बच्चों की सुरक्षा को जिम्मेदारी जितनी स्कूल पर है, उतनी ही माता-पिता पर भी है। सुरक्षा के लिए जरूरी है कि स्कूल बस में बैठने से लेकर स्कूल पहुंचने तक और फिर स्कूल के दौरान भी बच्चों को ट्रैक करना ना छोड़ें।

स्कूल बस के ड्राइवर और कंडक्टर का नंबर रखें। स्कूल पहुंचने से पहले तक ड्राइवर और कंडक्टर से बात करते रहें। आजकल वीडियो कॉल फ्री ऑफ

कॉस्ट होता है, अगर कंडक्टर या ड्राइवर के पास स्मार्टफोन है तो उससे वीडियो कॉल में बच्चे से बात कराने को कहें। स्कूल पहुंचते ही बच्चे की अटेंडेंट या क्लास टीचर से तय करें कि बच्चा स्कूल में सुरक्षित पहुंच गया है। आजकल कई तरह के एप्लीकेशन आ गए हैं, जिससे आप अपने बच्चों को ट्रैक कर सकते हैं। बच्चों को डर कर नहीं जीना चाहिए, लेकिन उन्हें ये जरूर समझाएं कि स्कूल में कहीं भी अकेले ना जाए। हमेशा किसी के साथ रहें और जहां कहीं भी जाए अपने दोस्तों और क्लास टीचर को जरूर बताएं। माता-पिता ऐसे स्कूल में ही एडमिशन कराएं, जिसकी घर से दूरी 20 से 25 मिनट की हो। एडमिशन के समय ही यह भी तय कर लें कि स्कूल के सभी क्लास, हॉल, लॉबी, यहां तक कि गार्डन एरिया में भी कैमरे लगे हों और सभी कैमरे काम करते हों और आप उससे कनेक्टेड हों।



स्कूल का बाथरूम ट्वायलेट कितना सुरक्षित है इस पर नजर रखें, वहां कोई अटेंडेंट बैठती है या नहीं यह भी ध्यान दें और अपने बच्चे से भी बराबर पूछते रहे। बच्चों का ट्वायलेट कहीं बड़े तो इस्तेमाल नहीं करते, इस बारे में भी पता करें। स्कूल में कितने गार्ड हैं और उन सभी का पुलिस वरिफिकेशन हुआ है या नहीं यह

भी पता करें। स्कूल में मौजूद सभी टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ का भी पुलिस वरिफिकेशन हो और स्टाफ की मानसिक हालत की भी जांच हो। बच्चा अगर स्कूल के बारे में कुछ कह रहा है तो उसे नजरअंदाज ना करें। बात छोटी हो या बड़ी, तसल्ली के लिए संबंधित व्यक्ति से जरूर बात करें।

त्योहारों में 2.5 लाख नौकरियां पैदा होने की संभावना नियुक्तियों में 20% तक की वृद्धि का अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में जुलाई से दिसंबर 2026 के दौरान 2 से 2.5 लाख मौसमी और गिग नौकरियां पैदा होने की संभावना है। त्योहारी सीजन के दौरान नियुक्तियों में 15 से 20 प्रतिशत तक वृद्धि का अनुमान है। ग्लोबल टेक्नोलॉजी एंड डिजिटल टैलेंट सॉल्यूशंस प्रदाता एनएलबी सर्विसेज की रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है। रिपोर्ट के अनुसार ई-कॉमर्स जैसे क्षेत्रों में मांग बढ़ने के साथ अस्थायी और अल्पकालिक कर्मचारियों की जरूरत भी बढ़ रही है। त्योहारी सीजन शुरू होने के साथ ई-कॉमर्स, फ़िक्क कॉमर्स, खुदरा, लॉजिस्टिक्स, आतिथ्य, यात्रा और उपभोक्ता सेवाओं से जुड़े कारोबार साल की सबसे अधिक मांग वाली अवांध के लिए तैयारी कर रहे हैं। इन क्षेत्रों में ऑर्डर और ग्राहकों की संख्या बढ़ने के साथ कंपनियां अतिरिक्त कर्मचारियों की भर्ती पर जोर दे रही हैं। एनएलबी सर्विसेज के चरिष्ठ उपाध्यक्ष और एपीएसी प्रमुख वरुण सचदेवा के अनुसार त्योहारी सीजन देश के कार्यबल के लिए महत्वपूर्ण अवधि बनता जा रहा है। नियोजता अब भर्ती प्रक्रिया पहले शुरू कर रहे हैं और पारंपरिक रोजगार केंद्रों से आगे बढ़कर तकनीक आधारित, मजबूत तथा तुरंत



काम पर लगाए जा सकने वाले कर्मचारियों पर अधिक निर्भर हो रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि त्योहारी मांग को पूरा करने के लिए होने वाली धिनियों अब केवल अल्पकालिक जरूरत तक सीमित नहीं रह गई हैं। कंपनियां इन भर्तियों के माध्यम से नए प्रतिभा समूहों तक पहुंच बना रही हैं और बड़े स्तर पर उनकी

कार्यक्षमता को परख रही हैं। इससे कुछ कर्मचारियों के लिए आगे चलकर दीर्घकालिक रोजगार के अवसर भी तैयार हो सकते हैं। कंपनियां त्योहारी सीोजन में बढ़ने वाली मांग से करीब 12 से 14 सप्ताह पहले ही कर्मचारियों की जरूरत का आकलन और योजना बनाना शुरू कर देती हैं। इससे उन्हें संभावित

कर्मचारियों का समूह पहले से तैयार करने में मदद मिलती है। साथ ही कम समय में बड़ी संख्या में नियुक्तियां करने के दबाव को भी कम किया जा सकता है। त्योहारी भर्ती का दायरा अब बड़े महानगरों के साथ दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों तक भी तेजी से फैल रहा है। रिपोर्ट के अनुसार कुल त्योहारी भर्ती मांग में इन शहरों की हिस्सेदारी करीब 45 प्रतिशत रहने को उम्मीद है। इन बाजारों में भर्ती में 25 से 30 प्रतिशत तक वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। ई-कॉमर्स, फ़िक्क कॉमर्स, संगठित खुदरा और क्षेत्रीय ऑर्डर पूर्ति नेटवर्क के विस्तार से जयपुर, लखनऊ, इंदौर, सूरत, नागपुर, भुवनेश्वर, कोयंबटूर, चंडीगढ़ और कोच्चि जैसे शहरों में रोजगार की मांग बढ़ रही है। इन शहरों में स्थानीय स्तर पर बढ़ते कारोबार और आपूर्ति नेटवर्क के कारण अतिरिक्त कर्मचारियों की जरूरत सामने आ रही है। रिपोर्ट के अनुसार त्योहारी सीजन में पहली बार रोजगार पाने वाले युवा और महिलाएं भी महत्वपूर्ण प्रतिभा समूह के रूप में उभर रहे हैं। कंपनियां मांग के अनुसार अस्थायी और गिग कर्मचारियों की संख्या बढ़ाकर कारोबार को संभालने की तैयारी कर रही हैं।

लखनऊ से विमान सेवाएं घटने से दीपावली पर हवाई किराया बढ़ने के आसार

नई दिल्ली, एजेंसी। दीपावली के दौरान हवाई यात्रा करने वालों की जेब पर इस बार अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से विमानों की संख्या में कमी आने के कारण प्रमुख घरेलू मार्गों पर टिकटों के दाम बढ़ने लगे हैं। दिल्ली की एक निजी कंसल्टेंट एजेंसी के सलाहकार रोहित तिवारी ने पिछले वर्ष दीपावली पर लखनऊ से वापसी के लिए करीब दो माह पहले 5,500 रुपये में विमान का टिकट बुक कराया था। इस बार इसी अवधि में टिकट की कीमत बढ़कर करीब 7,200 रुपये हो गई है। विमानन क्षेत्र से जुड़े लोगों के अनुसार दीपावली नजदीक आने के साथ फ़िराये में करीब 30 प्रतिशत तक और बढ़ोतरी हो सकती है। त्योहार के दौरान घर



जाने और वापस लौटने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ने से हवाई टिकटों की मांग बढ़ जाती है। ऐसे में उड़ानों की कम संख्या के कारण उपलब्ध सीटों पर दबाव बढ़ने की संभावना है। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से इस समय पिछले वर्ष की तुलना में करीब 20 प्रतिशत कम विमानों का संचालन हो रहा है। विमानन क्षेत्र के अनुसार ईपान-इजरायल और अमेरिका के बीच जारी संघर्ष का असर विमानन ईंधन की कीमतों पर पड़ा है। एविएशन

टरबाइन ईंधन महंगा होने के कारण विमानन कंपनियां ने लागत कम करने के लिए कई व्यस्त मार्गों पर अपनी सेवाओं में कटौती की है। इसका असर घरेलू विमान सेवाओं पर भी दिखाई दे रहा है। नवंबर 2025 में लखनऊ एयरपोर्ट से प्रतिदिन करीब 140 विमानों का आवागमन होता था। इनमें 16 से 18 अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों को जोड़ने वाली उड़ानें भी शामिल थीं। इस वर्ष फरवरी से विमानों की संख्या घटकर करीब 100 प्रतिदिन रह गई थी। कुछ नई सेवाएं शुरू होने के बाद अब प्रतिदिन करीब 110 विमानों का संचालन हो रहा है। लखनऊ से मुंबई और नवी मुंबई के लिए प्रतिदिन करीब आठ उड़ानें संचालित हो रही हैं। दिल्ली के लिए 13 और नोएडा के लिए एक विमान सेवा उपलब्ध है।

गोबरधन योजना के तहत सीबीजी की सुनिश्चित खरीद और मूल्य तय

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने 23,731 करोड़ रुपये की गोबरधन योजना को लागू कर दिया है। इसके तहत कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) उत्पादकों को उनकी बिक्री योग्य गैस की 100 प्रतिशत तक सुनिश्चित खरीद, कम से कम 10 वर्ष के लिए प्रशासित मूल्य और पूंजीगत सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की ओर से जारी दिशानिर्देशों के अनुसार योजना वित्त वर्ष 2026-27 से 2035-36 तक लागू रहेगी। गोबरधन योजना का उद्देश्य देश में कंप्रेस्ड बायोगैस के उत्पादन को बढ़ावा देना, सीबीजी परिवोजनाओं के लिए अनुकूल बाजार तैयार करना और निजी निवेश को प्रोत्साहित करना है। गोबरधन का अर्थ 'गैल्वानाइजिंग ऑर्गेनिक बायो-एग्रो रिसोर्सेज धन' है। इस कार्यक्रम के तहत पशुओं के गोबर, कृषि अवशेष, खाद्य अपशिष्ट और अन्य जैविक कचरे से बायोगैस, कंप्रेस्ड बायोगैस और जैविक खाद तैयार की जाती है। योजना के तहत तैयार कंप्रेस्ड बायोगैस को प्राकृतिक गैस के साथ मिलाकर उपभोक्ताओं तक पहुंचाने की व्यवस्था की



जाएगी। मंत्रालय के दिशानिर्देशों में सीबीजी क्षेत्र के लिए छह प्रमुख व्यवस्थाओं का प्रावधान किया गया है। इनमें सीबीजी की सुनिश्चित खरीद, मूल्य निर्धारण व्यवस्था, पूंजीगत सहायता, पापप्लाइन ढांचा, ऋण गारंटी सहायता और सीबीजी पारिस्थितिकी तंत्र के लिए चुनौती कोष शामिल हैं। नई

व्यवस्था के तहत पात्र सीबीजी उत्पादक बिक्री के लिए उपलब्ध अपनी गैस की 100 प्रतिशत तक सुनिश्चित खरीद का विकल्प चुन सकते। हालांकि, यह सुविधा तकनीकी और परिचालन व्यवहार्यता पर निर्भर करेगी। गैस की आपूर्ति को शहर गैस वितरण कंपनियों और संबंधित भौगोलिक क्षेत्रों से जोड़ा जाएगा। इसके

अलावा सीबीजी समूहों के माध्यम से गैस को एकत्र कर मुख्य पाइपलाइन तक पहुंचाने की व्यवस्था भी की जाएगी। सीबीजी कंपनियों को अपने सीएनजी परिवहन और घरेलू पीएनजी की कुल गैस आपूर्ति में निर्धारित अनुपात में सीबीजी की खरीद और बिक्री करनी होगी। यह दायित्व वित्त वर्ष 2026-27 में तीन प्रतिशत, 2027-28 में चार प्रतिशत और 2028-29 से पांच प्रतिशत निर्धारित किया गया है। इससे गैस वितरण व्यवस्था में सीबीजी की हिस्सेदारी धीरे-धीरे बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। सरकार ने सीबीजी के लिए 2,110 रुपये प्रति इकाई यानी एमएमबीटीयू का प्रशासित मूल्य तय किया है। 95 प्रतिशत मोथेन सामग्री के आधार पर यह करीब 98 रुपये प्रति किलोग्राम के बराबर है। इसमें कर और संपीड़न शुल्क शामिल नहीं होंगे। यह मूल्य कम से कम 31 मार्च 2036 तक लागू रहेगा। हालांकि, सीबीजी उत्पादन की लागत, मुद्रास्फीति और अन्य संबंधित कारकों को ध्यान में रखते हुए भविष्य में इस मूल्य में बदलाव किया जा सकता है।





एशियन गेम्स 2026 3 ऑल-आउट और 63 अंक रेडर्स और डिफेंडर्स ने कर दी पॉइंट्स की बौछार

आइटी-गोवोला: एशियन गेम्स 2026 में अपने गोल्ड मेडल की रक्षा करने उतरी भारतीय मेस कबड्डी टीम का शानदार प्रदर्शन जारी है। मंगलवार सुबह लोकाई सिटीजन्स जिम्मेनियम में खेले गए मप-ए के अपने दूसरे मुकाबले में डिफेंडिंग चैम्पियन भारत ने साउथ कोरिया को 63-31 के बड़े अंतर से हरा दिया। अपने पहले मैच में मेजबान जापान को मात देने के बाद, भारत की यह प्रतियोगिता में लगातार दूसरी धमकदार जीत है। कप्तान सुनील कुमार की अगुआई में उतरी भारतीय टीम ने मैच के पहले मिनट से ही कोरिया पर शिकंजा कस लिया था। भारतीय रेडर्स ने कुल 38 टाच/आउट पॉइंट हासिल किए, जबकि डिफेंडर्स ने कोरियाई अटैक को अपने कोर्ट में पकड़ते हुए टैकल पॉइंट्स की बौछार कर दी। हाफ-टाइम तक ही पकड़ी हो गई थी जीत-मैच की शुरुआत से ही भारतीय रेडर्स और डिफेंडर्स ने

तालमेल का बेहतरीन नजारा पेश किया। पहले हाफ में भारत ने दो बार कोरियाई टीम को ऑल-आउट किया। ब्रेक के समय तक भारत ने 34-14 की विशाल 20-पॉइंट्स की बढ़त बना ली थी। दूसरे हाफ में भी कप्तानी नहीं बदली। हालांकि कोरियाई रेडर्स ने वापसी की कुछ कोशिशें कीं, लेकिन भारतीय डिफेंडर्स के आगे उनकी एक न खली। भारत ने दूसरे हाफ में एक और ऑल-आउट (मैच में कुल 3 ऑल-आउट) थोपते हुए स्कोरबोर्ड पर 63 अंक टांग दिए। मैच के अंत में भारत का बोनस पॉइंट्स का आंकड़ा 17 तक पहुंच गया था। **अगला मुकाबला बांग्लादेश से-** इस जीत के साथ ही भारतीय टीम मप-ए की पॉइंट्स टेबल में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर चुकी है। पिछले 10 में से 8 एशियन गेम्स गोल्ड मेडल जीत चुकी भारतीय टीम का अगला मुकाबला बुधवार, 23 सितंबर को मप-ए में बांग्लादेश से होगा।

मंधाना ने सबको पीछे छोड़ दिया, इंटरनेशनल िकेट में 11000 रन बनाने वाली पहली महिला खिलाड़ी बनीं, जापान में रचा इतिहास

मिरिका (जापान)

टीम इंडिया की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना महिला क्रिकेट में 11000 रन बनाने वाली पहली बल्लेबाज बनीं हैं। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ एशियन गेम्स मुकाबले में अर्धशतकीय पारी के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। इसी महीने की शुरुआत में यह महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज बनीं थी। अब उन्होंने एक और उपलब्धि हासिल कर ली है। इसके साथ ही वह अपने करियर के उस दौर में पहुंच चुकी हैं, जहां हर मैच में वह कोई न कोई रिकॉर्ड बना रही हैं। भारत के लिए सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली भी ऐसे स्वर्णिम दौर से गुजर चुके हैं।

टी20 में 37 अर्धशतक-स्मृति मंधाना ने श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले में अपने टी20 करियर का 37वां अर्धशतक भी पूरा किया। यह महिला टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल रन बनाने वाली बल्लेबाज भी



हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड की पूर्व कप्तान सुजी बेट्स को पीछे छोड़ा था। मंधाना टी20 क्रिकेट में अपने 5000 रन पूरे करने के बेहद करीब हैं। ऐसा करने पर वह इस आंकड़े तक पहुंचने वाली पहली महिला क्रिकेटर होंगी।

79 के स्कोर पर आउट हुईं मंधाना

स्मृति मंधाना इस मैच में 79 रन के स्कोर पर आउट हुईं। इस पारी में उन्होंने 5 चौके और 7 छके लगाए। उनकी दमदार बल्लेबाजी के चलते भारतीय टीम बड़े स्कोर तक पहुंच सकी। यह भारत के लिए एक टी20 मैच में सबसे ज्यादा छके लगाने वाली बल्लेबाजी की लिस्ट में भी शामिल हो गई है। इस लिस्ट में शेफाली वर्मा टॉप पर हैं, जिन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ पिछले मैच में 9 छके लगाए थे। 2018 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 8 छके लगाने वाली हरमनप्रीत कौर दूसरे स्थान पर हैं। इस मैच में 7 छके लगाकर मंधाना तीसरे नंबर पर आ गईं हैं। यह हाइकांक के खिलाफ मैच में भी 7 छके लगा चुकी हैं।

कामिल पूरन और निकोलस पूरन के रिश्ते की अटकलें गलत निकलीं

जौहटा (ईरानएस)।

वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने भारत के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए अपनी जो टीम घोषित की है। उसमें पहली बार कामिल पूरन नाम के खिलाड़ी को शामिल किया गया है। इससे प्रशंसकों के दिमाग में सवाल उठ रहे हैं कि कामिल क्या क्या निकोलस पूरन के भाई है? गौरतलब है कि पूरन वेस्टइंडीज टीम के एक प्रमुख खिलाड़ी होने के साथ ही संन्यास के बाद दुनियाभर की फेंचबाजी लीग में भी खेलते हुए अपने प्रदर्शन से प्रभावित कर रहे हैं। वह वेस्टइंडीज टीम के कप्तान भी रहे हैं। ऐसे में एक ही उपनाम के साथ एक और पूरन का टीम में आना स्वाभाविक रूप से जिज्ञासा पैदा करता है। वहीं अब ये तथ्य सामने आया है कि निकोलस पूरन और कामिल पूरन भाई के बीच कोई पारिवारिक रिश्ता नहीं है। दोनों आपस में भाई नहीं



हैं। दोनों के बीच एकमात्र समानता उनका आखिरी नाम पूरन होना है। यह केवल एक संयोग है कि दो अलग-अलग क्रिकेटर एक ही उपनाम साझा करते हैं।

हालांकि, उपनाम के अलावा कुछ और दिलचस्प बातें हैं जो दोनों में समान हैं। निकोलस पूरन और कामिल पूरन दोनों ही कैरेबियन द्वीप समूह के त्रिनिदाद और टोबैगो क्षेत्र से आते हैं। इसके अलावा, उनकी उम्र भी लगभग एक जैसी ही है,

जिससे धम की स्थिति और बढ़ जाती है। इसी वजह से कामिल को अक्सर सैकड़ों प्रशंसकों से यह सवाल छेलेना पड़ता है कि क्या वे निकोलस के भाई या रिश्तेदार हैं। कामिल पूरन खुद भी कई बार मजाकिया लहजे में यह कह देते हैं कि निकोलस उनके भाई हैं, जिससे प्रशंसकों की उत्सुकता और बढ़ जाती रही है। कामिल वेस्टइंडीज टीम में जगह घरेलू क्रिकेट में उनके बेहतरीन प्रदर्शन के आधार पर मिली है। हाल ही में संरक्ष हुए कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) में 30 वर्षीय कामिल ने बेहद तेजी से रन बनाये। उन्होंने इस सीजन की 8 पारियों में 160 के तुफानी स्ट्रोक रेट से कुल 273 रन बनाए, जिसमें दो शानदार अर्धशतक भी शामिल थे। सीपीएल के अलावा, घरेलू क्रिकेट में भी कामिल ने लगातार शानदार प्रदर्शन किया है और रनों का अंवार लगाया है।

रोहित जब तक रन बना रहे हैं उन्हें खेलते रहने दें : चेतन शर्मा

मुम्बई (ईरानएस)।

भारतीय क्रिकेट टीम की चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष चेतन शर्मा का कहना है कि कि अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा को अभी संन्यास के लिए मजबूर न करते हुए तब तक खेलते रहने देना चाहिए जब तक कि वह रन बना रहे हैं। पिछले करीब एक साल से रोहित के भविष्य को लेकर अटकलें जारी हैं। ये भी कहा जा रहा है कि मुख्य चयनकर्ता अजीत आगरकर उन्हें टीम में बनाये रहने के पक्ष में नहीं हैं। ऐसे समय में चेतन ने रोहित का बचाव करते हुए कहा है कि जब तक वह फिट है और रन बना रहे हैं, उन्हें एकादिवसीय क्रिकेट

खेलाना रहने देना चाहिए। चेतन शर्मा के अनुसार उम्र केवल एक नंबर है और उसे चयन का पैमाना नहीं बनाया जा सकता।

साथ ही कहा , अगर रोहित शर्मा 2027 विश्व कप खेल सकते हैं, तो इसमें क्या खराबी है? यह बयान रोहित के अगले विश्व कप तक खेलने की संभावनाओं को बल देता है, वरतों उनकी फिटनेस और फॉर्म बरकरार रहे। शर्मा ने अपनी इस राय को सिर्फ रोहित तक सीमित नहीं रखा, बल्कि विराट कोहली का भी उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, अगर विराट कोहली अभी भी फिट हैं और रन बना रहे हैं, तो उन्हें



भी खेलते रहना चाहिए। विराट हमेशा से भारतीय क्रिकेट की अमूल्य संरति रहे हैं। शर्मा का मानना है कि ऐसे दिग्गजों को, जो फिट रहते हुए देश के लिए लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं, टीम में बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा, जैसा कि मैंने कहा, अगर वे फिट हैं और भारत के लिए रन बना रहे हैं, तो हमें खुश होना चाहिए।

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए, चेतन शर्मा ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के उस फैसले पर खुशी जतायी जिसमें बोर्ड ने सभी खिलाड़ियों के लिए फिट और उपलब्ध होने पर घरेलू क्रिकेट खेलना अनिवार्य बनाया

है।शर्मा ने यह किया कि जब वह भारत के मुख्य चयनकर्ता थे, तब उनकी सोच यही थी कि यदि कोई खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, तो उसे राष्ट्रीय टीम में मौका मिलना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बीसीसीआई घरेलू क्रिकेट आयोजित करने के लिए बहुत पैसा और प्रयास खर्च करता है, और इसलिए हमें घरेलू क्रिकेट का सम्मान करना चाहिए। शर्मा ने कहा कि बीसीसीआई के इस निर्देश को देखकर उनका सपना सच हो गया है, और इसके लिए वह बोर्ड के वाकई आभारी हैं। उन्होंने सभी फिट खिलाड़ियों से रणजी ट्रॉफी या अन्य प्रथम

रंता संसार



दीपिका-रणवीर के घर आई दूसरी नन्ही परी

मुंबई, यशभारत। बॉलीवुड के पावर कपल, दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह, 19 सितंबर 2026 को एक बार फिर माता-पिता बने हैं। इस बार भी उनके घर एक नन्ही बेटी ने जन्म लिया है। इस खुशी की खबर को उन्होंने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर एक ऑइट पोस्ट के जरिए साझा किया। पोस्ट में नवजात बच्ची के छोटे पैरों के निशान के साथ बेबी रूल का स्वागत है। 9/9/2026बुआ, दीपिका, रणवीर लिखा था। इस पोस्ट के सामने आते ही सोशल मीडिया पर बधाई संदेशों की बाढ़ आ गई। फिल्म इंडस्ट्री के कई सितारों ने इस खुशखबरी पर अपनी खुशी जाहिर की। इससे पहले, रणवीर और दीपिका ने अपनी बड़ी बेटी दुआ के साथ प्यारी फैमिली तस्वीरें साझा की थीं। दीपिका और रणवीर ने इस साल अटैल में अपने दूसरे बच्चे के आगमन की घोषणा की थी। उनकी पहली बेटी दुआ का जन्म 8 सितंबर 2024 को हुआ था। लंबे समय तक रिश्तेनशिम में रहने के बाद, दीपिका और रणवीर ने नवंबर 2018 में इटली के लेक कोम्बे में एक निजी समारोह में शादी की थी।

सलमान ने बच्चे को भीड़ से बचाया

मुंबई, यशभारत। बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान इन दिनों गणेश खुबुची के जर्नन में पूरी तरह डूबे हुए हैं। बच्चा का आशीर्वाद लेने के लिए वह लगातार अलग-अलग गणपति पंडालों में पहुंच रहे हैं। अंबानी परिवार के गणपति उत्सव और अपने परिवार के गणपति विराजर्न में शामिल होने के बाद सलमान खान हाल ही में महाराष्ट्र के मंत्री आशीष शेलार के घर पहुंचे, जहां उन्होंने भगवान गणेश की पुजा-अर्चना की। जब सलमान खान वहां से बाहर निकल रहे थे, तो बाहर मौजूद फैंस की भीड़ उन्हें देखने के लिए उमड़ पड़ी। जब उनकी सिक्कीमिटी टीम उन्हें भीड़ के बीच से उनकी कार की ओर ले जाने की कोशिश कर रही थी, तभी सलमान ने एक बच्चे को भीड़ के पास आते देखा। एक पैरवाजी द्वारा रोकर किए गए वीडियो में सलमान को अपने बॉडीगार्ड को रोकते हुए दिखाया गया। उन्होंने बच्चे से हाथ मिलाया और फिर अपनी कार की ओर बढ़ने से पहले उसे भीड़ से बाहर निकलाने में धीरे से मदद की। इस घटना ने सलमान की मानवता और बच्चों के प्रति उनके प्यार को दर्शाया।

दिसंबर 2026 में होगी फिल्म वेट्टुवम रिलीज

मुम्बई, यशभारत।

हाल ही में बहुप्रतीक्षित पैन-इंडिया फिल्म वेट्टुवम की दुनिया का अनावरण किया गया है। फिल्म निर्देशक पा. रंजीत की इस फिल्म को दर्शकों के बीच जबरदस्त उलसाह जगा दिया है। यह फिल्म दिसंबर 2026 में रिलीज होने वाली है। इन लड़कियों को पुराने समय के भारत की पारंपरिक युद्ध तकनीकों के आधार पर तैयार किया गया है, जिसके लिए पूरी कास्ट ने अलग-अलग तरह की मार्शल ट्रेनिंग ली है। पा. रंजीत अपनी फिल्म वेट्टुवम के ऐलान के साथ पैन-इंडिया फिल्मों की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं, ऐसे में खबर सामने आने के साथ ही लोगों में इसे लेकर जबरदस्त उलसाह देखने मिल रहा था। मेकर्स ने घोषणा के समय किए वादे के मुताबिक आज फिल्म की सबसे ज्यादा इंतजार की जा रही झलक से पर्दा उठ दिया है। यह कुछ ऐसा है जिसे दर्शकों ने पहले कभी नहीं देखा होगा। फिल्म की कहानी अलग-अलग समय में लेकर जाती है, जिसमें दर्शक कई कलाकारों को अपनी भूमिका निभाने देखेंगे। इसके साथ ही यह बात भी साफ हो गई है कि निर्देशक हर बार की तरह इस बार भी कुछ अलग करते हुए पैन इंडिया लेवल पर चलवल बचाने वाले हैं। मेकर्स ने एक वीडियो साझा किया है जिसमें वेट्टुवम की दुनिया को देखा जा सकता है। कई भाषाओं में साझा किए गए इस वीडियो में जहां



हिंदी में पंकज त्रिपाठी की आवाज़ है, वहीं तमिल वर्जन में पा. रंजीत, तेलुगु में राणा दग्गुबाती, कन्नड़ में किष्वा सुदीप और मलयालम में सोमिन शाहिर की आवाज सुनाई दे रही है। ये सभी वीडियो में फिल्म के अलग-अलग पहलुओं के बारे में बात करते हुए उन पर रोशनी डाल रहे हैं। फिल्म बीते हुए कल के उन नतीजों पर रोशनी डालती है, जिनका असर हमारे आज पर पड़ रहा है और वह हमारे आने वाले कल यानी भविष्य को आकार दे सकते हैं। यह चीजें आखिरकार प्राकृतिक आपदाओं का कारण बन सकती हैं, जो ईमान के भविष्य पर बड़ा असर डालकर उसे प्रभावित कर सकती हैं। मेकर्स द्वारा साझा किए गए दिलचस्प फर्स्ट लुक में कई नुटों के बीच

चर्चस की लड़ाई लड़ते हुए दिखाया गया है, इसी लड़ाई को फिल्म में वेट्टुवम का नाम दिया गया है। इस फिल्म के जरिए माछ्खंब को एक अलग नजरिए से दिखाया गया है, यह एक पारंपरिक खेल है जिसे पहली बार इतने बड़े पैमाने पर स्क्रीन पर पेश किया गया है। फर्स्ट लुक में एक्टरस की भी दमदार झलक देखने मिल रही है, जिससे दर्शकों के बीच फिल्म और उसकी कहानी को लेकर दिलचस्पी बढ़ गई है। फिल्म में आर्या, वी. आर. दिनेश, शोभिता धुलिपाला, कलैबारासन, माइम गोपी, गुरु सोमसुंदरम, शबीर कावराकल, जॉन विजय, साई धीना, आनंद सामी, हरिश उधमन, रंजीत, लिविश प्रेम कुमार, कविता भारती, अर्जुन, संधा कुमार, मेलेडी, मनीषा, निम्मी, राकेल, विक्रम, नवीन, और प्रकाश जैसे बेहद टैलेंटेड कलाकार शामिल हैं। फिल्म के संगीत को उसकी कहानी के हिसाब से जी. वी. प्रकाश कुमार बना रहे हैं, जो साजिश की एक और परत जोड़ता है। म्यूजिक पा. रंजीत द्वारा बनाई हुई दुनिया के इर्द-गिर्द एक अनोखी आभा बनाता है। पा. रंजीत को सुपरहिट फिल्मम जैसे कबाली, काला, सरपट्टा परम्परवाई, और धंगलान को डायरेक्ट करने के लिए जाना जाता है। पा. रंजीत अपनी फिल्म वेट्टुवम के साथ वापसी कर रहे हैं, ऐसे में इसे बड़े पैमाने पर बनाए जाने की उम्मीद है। इस फिल्म को पा. रंजीत ने सिर्फ डायरेक्ट कर रहे हैं बल्कि उन्होंने इसे लिखा भी है।



लालबागचा के दरबार में बॉलीवुड सितारों का समागम

मुंबई, यशभारत। गणेश खुबुची के पावन पर्व पर, मुंबई के सुप्रसिद्ध लालबागचा राजा के पंडाल में हर साल की तरह इस साल भी आम बर्कों के साथ-साथ बॉलीवुड और टेलीविज़न जगत के कई सितारों का ताता लगा रहा। गणपति बप्पा के दर्शन और आशीर्वाद लेने के लिए कई सेलेब्स अपने परिवार के साथ पहुंचे और पक्षि में लीन दिखाई दिए। प्रसिद्ध नायक कैलाश खेर भी गणेश उत्सव के अवसर पर बप्पा का आशीर्वाद लेने पंडाल पहुंचे, जहाँ वे पूरी श्रद्धा के साथ भगवान गणेश के दर्शन करते नजर आए। इसी कड़ी में, अभिनेत्री तापसी पन्नू महारु लेखिका और फिल्ममेकर कनिका हिस्लों के साथ लालबागचा राजा के दर्शन के लिए पहुंचीं। गणेशोत्सव के पावन अवसर पर तापसी पारंपरिक परिधान में बेहद खूबसूरत और सादगीपूर्ण लुक में दिखाईं। पंडाल में वे बप्पा का आशीर्वाद लेती और श्रद्धा भाव से हाथ जोड़कर नमन करती दिखाईं, साथ ही पैरवाजी को देखकर मुस्कुराते हुए पोजे भी दिए। अभिनेता अजय देवगन भी अपने बेटे युग के साथ गणेशोत्सव के दौरान लालबागचा राजा के दर्शन करने पहुंचे थे।

बिना प्रार्थना किए कुछ मिलना नामुमकिन!: अमिताभ बच्चन

मुम्बई, यशभारत।

हाल ही में सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने अपने ब्वाॉग के जरिए जिंदगी में कभी छर न मानने और छोटे प्रयासों के महत्व को लेकर एक खास संदेश दिया है। अभिनेता ने अपने इस प्रेरक संदेश में लिफ्ट के ऑटोमैटिक दरवाजे से जिंदगी की मुश्किलों की तुलना की, जो उनके गहरे चिंतन को दर्शाता है। बिग बी ने अपने ब्वाॉग में शिखा, कुछ बिना बोले होता है, कुछ चोलके होता है और कुछ टोक-ठाक के होता है, लेकिन होता जरूर है।

उन्होंने ऑटोमैटिक दरवाजे का उदाहरण देते हुए समझाया कि लिफ्ट का ऑटोमैटिक दरवाजा थोड़ी देर बाद अपने आप बंद होने लगता है। अगर वहने में देर हो जाए तो वो बंद होने लगता है। उस वक़्त अगर एक छोटी सी ठंगली भी उसके रास्ते में आ जाए, तो वो खुल जाता है और वापस अपनी जगह पर चला जाता है। ठीक इसी तरह, अमिताभ बच्चन ने कहा कि जिंदगी में भी एक छोटी सी कोशिश या प्रार्थना एक



बंद दरवाजे को खोल सकती है, चाहे वो एक छोटी सी ठंगली के बराबर ही क्यों न हो। उन्होंने आगे कहा, बिना प्रार्थना किए कुछ मिले-नामुमकिन। कोशिश करते रहे, चलते रहे, लगे रहे, किसी दिन, वो दरवाजा तंग आकर खुल जाएगा। यह संदेश हर व्यक्ति के लिए प्रेरणादायक है कि जीवन में संकष्टों के बावजूद उम्मीद नहीं छोड़नी चाहिए।

अभिनेता अमिताभ बच्चन इन दिनों बिज्ज रिपलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति-18वां सीजन होस्ट कर रहे हैं, जो भारतीय टेलीविजन के सबसे सफल और आइकॉनिक फेंचबाजी में से एक बन चुका है। यह शो पहली बार वर्ष 2000 में शुरू हुआ था और तब से इतने लाखों लोगों के सपनों को पूरा करने का मंत्र दिया है। कौन बनेगा करोड़पति ब्रिटिश शो हो चांस्ट दू भी आ मिलियनेयर? का हिंदी वर्जन है। इसका फॉर्मेट मूल शो जैसा ही है, जिसमें प्रतियोगियों से बहुमुकल्पीय सवाल पूछे जाते हैं।

